वीडियो कॉल पर प्रेमिका की धमकियों से डरकर फांसी लगाई

इंदौर. परदेशीपुरा क्षेत्र में 22 वर्षीय युवक की आत्महत्या के मामले में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं. घटना के दो दिन बाद एक वीडियो कॉल सामने आया है, जिसमें युवक की प्रेमिका खुद को नुकसान पहुंचाने की धमकी देती दिख रही है. परिजन इसी वीडियो काल से डर युवक की मौत की वजह बता रहे हैं.

थाना प्रभारी आरडी कानवा ने बताया कि शिवाजी नगर निवासी अभिषेक प्रजापत ने 14 नवंबर को घर में फांसी का फंदा लगाकर जान दे दी थी. परिवार का कहना है कि पिछले कुछ समय से उसकी प्रेमिका उसे लगातार धमका रही थी. वीडियो कॉल में वह पंखे से लगे फंदे को गले में डालने जैसा दिखाती है और तलवार गले व पेट पर रखकर खुद को नुकसान पहुंचाने की बात कहती है. इस दौरान अभिषेक उसे ऐसा कदम न उठाने की समझाइश देता नजर आता है. परिजनों का आरोप है कि युवती के परिवार की ओर से भी अभिषेक पर दबाव बनाया जा रहा था. परिजनों का आरोप है कि कुछ समय पहले उसके साथ मारपीट भी की गई थी और झूठी शिकायत कर उसे चौकी तक पहुंचाया गया था. परिवार का कहना है कि इसी तनाव और लगातार मिल रही धमकियों से वह टूट गया.

नाश्ते की दुकान चलाते हैं अभिषेक के पिता

अभिषेक परिवार में दो बहनों और एक भाई में सबसे बड़ा था. पिता नाश्ते की दुकान चलाते हैं, जबकि अभिषेक साउंड सिस्टम संचालित करता था. पुलिस ने युवक का मोबाइल जब्त कर लिया है और वीडियो कॉल सहित अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच कर रही है. परिवार का कहना है कि आत्महत्या से ठीक पहले उसने युवती से बातचीत की थी,

हाइटेंशन लाइन की चपेट में आने से डीजे वाहन चालक की मौत

- झुकी बिजली लाइन और अव्यवस्थित यातायात पर ग्रामीणों का फूटा गुस्सा

नव भारत न्यूज

इंदौर. निर्माणाधीन सड़कों और लापरवाही के हालात ने शहर व ग्रामीण इलाकों में दो अलग-अलग हादसों में दो लोगों की जान ले ली. एक मामले में पुलिया से गुजर रही हाईटेंशन लाइन के नीचे लटके तारों की चपेट में आने से डीजे वाहन चालक की मौत हो गई, जबकि दूसरे मामले में प्लॉट देखने जा रही एक महिला डंपर की टक्कर से जिंदगी गंवा बैठी. दोनों घटनाओं में पुलिस जांच कर रही है.

मेठवाड़ा क्षेत्र में सड़क और पुलिया निर्माण कार्य जारी है. इसी बीच डीजे उपकरण से लदी एक आयशर

गाड़ी पुलिया से निकल रही थी, तभी अत्यंत नीचे लटकी हाईटेंशन लाइन उसके संपर्क में आ गई. करंट फैलते ही वाहन चालक की मौके पर ही मौत हो गई. ग्रामीणों का कहना है कि झुके तारों को लेकर कई बार विद्युत विभाग और निर्माण एजेंसी को शिकायत की गई थी, लेकिन समय रहते सुधार नहीं हुआ.

डंपर की टक्कर से बाइक सवार महिला की मौत-दूसरी घटना

खंडवा रोड स्थित बाईग्राम के पास हुई, जहां निर्माणधीन सड़क पर अव्यवस्थित यातायात और भारी वाहनों की रफ्तार जानलेवा साबित हो रही है. एक महिला प्रॉपर्टी से जुड़े व्यक्ति के साथ बाइक से प्लॉट देखने जा रही थी. इसी दौरान पीछे से आए डंपर ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे महिला की मौके पर ही मौत हो गई.

बेटे से बात करने के बाद घर से निकली, लौटते ही बिगड़ी तबीयत और हो गई मौत

नव भारत न्यूज

इंदौर. मल्हारगंज क्षेत्र में पश्चिम बंगाल से आई एक महिला ने संदिग्ध परिस्थितियों में जहर खाकर जान दे दी. रविवार देर रात तबीयत बिगड़ने पर परिजन उन्हें एमवाय अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां उपचार के दौरान उसकी मृत्यु हो गई.

थाना प्रभारी वेदेंद्र सिंह कुशवाह ने बताया कि 50 वर्षीय सुमित्रा दास इन दिनों बेटी आयशा और दामाद शफिकुल के साथ शंकर गंज जिंसी स्थित मकान में रह रही थी. मूल रूप से पश्चिम बंगाल निवासी सुमित्रा करीब 20 दिन पहले इंदौर आई थी. कुछ दिनों बाद उसे वापस जाना था, लेकिन ट्रेन टिकट कन्फर्म न होने से वे परेशान रहती थीं. रविवार रात उन्होंने पहले मोबाइल पर बेटे से बातचीत की. इसके बाद दामाद से कहा कि वह थोड़ी देर में लौट आएगी और घर से बाहर चली गईं. करीब पंद्रह मिनट बाद वापस लौटी तो अचानक हालत बिगड़ने लगी. परिजनों ने जब पूछताछ की, तो उसने बताया कि उन्होंने जहर खा लिया है. तत्काल उसे एमवाय अस्पताल ले जाया गया, जहां रात में ही उनकी मौत हो गई. दामाद ने पुलिस को बताया कि सुमित्रा दस्तावेजों और घरेलू परेशानियों को लेकर तनाव में थीं. उनके पति का करीब दस साल पहले निधन हो चुका है. दो बेटों में से एक अपने परिवार के साथ अलग रहता है, जबकि दूसरा पश्चिम बंगाल में मां के साथ ही रहता है. पुलिस ने मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है.

पुराने सिक्कों पर लाखों का लालच देकर ऑनलाइन ठगी की कोशिश

- फेसबुक पोस्ट के जरिये बढ़ाया संपर्क
- पहले सिक्कों की तस्वीरें मांगी, फिर फॉर्म फीस और अतिरिक्त भुगतान की मांग

नव भारत न्यूज

इंदौर. सोशल मीडिया पर दुर्लभ सिक्कों के बदले भारी रकम देने का दावा कर ठगों ने शहर में फिर एक व्यक्ति को निशाना बनाया. फेसबुक पर प्रसारित एक विज्ञापन के जरिए संपर्क बढ़ाया गया, पहले सिक्कों की तस्वीरें मांगी गईं और फिर लाखों रुपए देने का आश्वासन देकर ऑनलाइन भुगतान कराने की कोशिश की गई. स्थिति

तब संदिग्ध हुई, जब बार-बार अतिरिक्त रुपए मांगने लगे और धमकियां तक देने लगे.

गांधीनगर क्षेत्र के एक व्यक्ति ने बताया कि उसने फेसबुक पर पुराने सिक्कों के बदले भारी रकम देने की पोस्ट देखी. प्रदत्त व्हाट्सऐप नंबर पर बातचीत के दौरान सिक्कों की तस्वीरें भेजने को कहा गया. तस्वीरें देखने के बाद ठगों ने बड़ी रकम देने का दावा किया और इसके बदले एक फार्म फीस के नाम पर साढ़े पांच सौ रुपए ऑनलाइन जमा करवाए. कुछ देर बाद वीडियो कॉल कर पैसों का पैकेट तैयार कर कुरियर से भेजने का नाटक किया. इसके बाद नए बहाने से कहा कि एयरपोर्ट पर अधिकारियों को आठ हजार रुपए देने पड़ेंगे, इसलिए तुरंत भुगतान करें. अतिरिक्त रकम भेजने से मना करने पर आरोपी लगातार धमकियां देने लगे, जिसके बाद घबराकर पीड़ित ने नंबर ब्लॉक कर दिया.

सोशल मीडिया के दावे भ्रामक

मामले में एडीसीपी क्राईम राजेश दंडोतिया का कहना है कि सोशल मीडिया पर इस तरह के दावे पूरी तरह भ्रामक होते हैं. कई ठग खुद को सरकारी मंजूरी प्राप्त बताकर लोगों को भ्रमित करते हैं, जबकि वास्तविकता में चंद सिक्कों के बदले लाखों-करोड़ों देने का कोई प्रावधान नहीं है. पुलिस नागरिकों से अपील करती है कि ऐसे लालच से दूर रहें और संदिग्ध गतिविधियों की सूचना साइबर सेल को दें, सतर्कता ही बचाव है.

ऑपरेशन क्लीन : दो और आरक्षकों की सेवा समाप्त

इंदौर. पुलिस कमिश्नरेट में अनुशासनहीनता के खिलाफ चल रहे अभियान के तहत एक और कार्रवाई सामने आई है. विभाग में अंदरूनी व्यवस्था सुधारने के लिए चलाए जा रहे ऑपरेशन क्लीन के दौरान दो नवआरक्षकों को सोमवार को सेवा से बाहर कर दिया. सूत्रों के मुताबिक, संबंधित कर्मचारी बिना बताये छुट्टी पर रहते थे और कई बार चेतावनी के बावजूद उनकी अनुपस्थितियां जारी रहीं. इसे गंभीर लापरवाही मानते हुए दोनों की सेवाएं समाप्त कर दी गईं. कमिश्नरेट में हाल के दिनों से लगातार ऐसे पुलिसकर्मियों पर सख्त कार्रवाई की जा रही है, जो ड्यूटी में कोताही या अनुशासनहीनता बरतते पाए जा रहे हैं.

फर्जी मेडिकल डिग्री से लाखों का लोन लेने वाला धराया

- झांसी में छिपा था मास्टर माइंड, दो और साथियों की तलाश
- फाइनेंस कंपनी से धोखाधड़ी उजागर

नव भारत न्यूज

इंदौर. क्राइम ब्रांच ने बजाज फाइनेंस के साथ किए गए बड़े लोन फ्रॉड का पर्दाफाश करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया. आरोपी गैंग फर्जी मेडिकल डिग्री और डॉक्टरों के नाम बदलकर तैयार किए गए दस्तावेजों के आधार पर लाखों का लोन ले रहा था. तीन सदस्यीय गिरोह में शामिल एक आरोपी को पकड़ लिया है, जबकि दो साथी अब भी फरार हैं. टीम फरार आरोपियों की तलाश में जुटी है और सभी की भूमिका के आधार पर आगे कार्रवाई की तैयारी है.

एडीसीपी क्राईम राजेश दंडोतिया ने बताया कि फ्रॉड

इन्वेस्टिगेशन टीम को बजाज फाइनेंस कंपनी की ओर से शिकायत मिली थी कि तीन लोगों ने फर्जी मेडिकल कागजों के सहारे कंपनी से लोन लेकर धोखाधड़ी की है. शिकायत पर क्राइम ब्रांच ने तुरंत प्रकरण दर्ज किया और तकनीकी पड़ताल के साथ दबिश शुरू कीं. इसी दौरान मामले का मुख्य आरोपी प्रदीप निरंजन की लोकेशन झांसी में मिली, जहां से उसे दबोच लिया.

नाम असल डॉक्टर का, लेकिन पिता का नाम बदल देते थे आरोपी

प्रारंभिक पूछताछ में आरोपी ने फर्जी दस्तावेज बनवाकर लोन लेने की बात स्वीकारी है. गिरोह ने असल डॉक्टरों के नाम का इस्तेमाल करते हुए पिता के नाम बदलकर दस्तावेज तैयार किए थे, जिनके आधार पर फाइनेंस कंपनी को भ्रमित कर लोन स्वीकृत करवाया गया. पुलिस अब आरोपी से पूछताछ कर रही है ताकि बाकी दोनों आरोपियों की लोकेशन व भूमिका स्पष्ट की जा सके. आरोपी के खिलाफ विभिन्न धाराओं में केस दर्ज कर आगे की जांच क्राइम ब्रांच द्वारा जारी है.

सीट के नीचे मिला सोने का मंगलसूत्र, जीआरपी ने लौटाया

इंदौर. रेलवे एसपी पद्मविलोचन शुक्ला ने बताया कि स्टेशन पर चल रहे विशेष चेकिंग अभियान के दौरान जीआरपी को शांति एक्सप्रेस के कोच बी-4 में सीट के नीचे करीब 1.90 लाख रुपए मूल्य का सोने का मंगलसूत्र लावारिस हालत

में मिला. टीम ने तत्काल मालिक की तलाश शुरू कर अगले ही दिन सही पहचान के बाद मंगलसूत्र महिला यात्री के सुपुर्द कर दिया. यात्री ने जीआरपी की ईमानदारी और तत्परता के लिए थाने के पूरे स्टॉफ का आभार जताया.